

अवसर्पिणी (कालगति) के 19 वें अर्हत् का एक उपासक 3. तुन का पेड़।

कुवेराचल पुं. (तत्.) कैलास पर्वत का एक नाम।

कुश पुं. (तत्.) 1. कांस की तरह की एक पवित्र नुकीली तीखी और कड़ी घास, दाभ, डाभ, दर्भ, 2. जल, पानी 3. एक राजा जो उपरचरि वसु का पुत्र था 4. रामचंद्र का एक पुत्र 6. पुराणानुसार सात द्वीपों में से एक द्वीप 7. फाल, कुसिया, कुर्सी (हल की) पर्या. दर्भ, पवित्र, बर्हि, हस्वगर्भ, कुतुप, सूच्यग्र।

कुशद्वीप पुं. (तत्.) पुराणानुसार सात द्वीपों में से एक, जो चारों ओर घृतसमुद्र से घिरा है।

कुशन पुं. (अं.) मोटा गट्टा।

कुशपत्रक पुं. (तत्.) फोड़ा चीरने का एक औजार, (वैद्यक)।

कुशमुद्रिका स्त्री. (तत्.) कुश की बनी अंगूठी, पवित्री, पैंती।

कुशय पुं. (तत्.) पानी पीने का बरतन, आबखोरा, पानपात्र, जलकुंड, होम आदि।

कुशल वि. (तत्.) 1. चतुर, दक्ष 2. श्रेष्ठ अच्छा 3. पुण्यशील जैसे- वह एक कुशल इंजीनियर है पुं. 1. क्षेम, मंगल, राजी खुशी 2. जिसके हाथ में कुश हो 3. शिव का एक नाम 4. कुशद्वीप का निवासी 5. गुण 6. चतुरता, चतुराई।

कुशलकाम वि. (तत्.) कुशल की कामना रखनेवाला, राजी खुशी चाहनेवाला।

कुशलक्षेम पुं. (तत्.) 1. राजीखुशी, खैरो आफियत।

कुशलता स्त्री. (तत्.) 1. चतुराई 2. योग्यता, प्रवीणता 3. क्षेम, कुशलाई।

कुशलप्रश्न पुं. (तत्.) किसी का कुशल मंगल पूछने की क्रिया।

कुशलमंगल पुं. (तत्.) दे. कुशलक्षेम।

कुशस्तरण पुं. (तत्.) होम करने के पहले यज्ञभूमि या यज्ञकुंड के चारों ओर कुश बिछाने का काम, कुशकंडिका।

कुशस्थली स्त्री. (तत्.) 1. द्वारिका का एक नाम 2. कुशावती नामक नगरी जो विंध्यपर्वत पर थी और जहाँ रामचंद्र के पुत्र कुश राज्य करते थे।

कुशहस्त वि. (तत्.) हाथ में कुशा लिए हुए श्राद्ध, तर्पण या दान करने के लिए उद्यत।

कुशांगुरीय/कुशांगुलीय पुं. (तद्.) कुश की बनी अंगूठी, पैंती, पवित्री।

कुशांब पुं. (तद्.) निमि वंशीय राजा कुश का पुत्र जिसने पिता के आदेश से कोशांबी नगरी बसाई थी।

कुशांबु पुं. (तत्.) कुश के अगले भाग से टपकता हुआ जल।

कुशा स्त्री. (तत्.) 1. कुश 2. रस्सी 3. एक प्रकार का मीठा नींबू 4. लगाम, वल्गा 5. लकड़ी का टुकड़ा।

कुशाग्र वि. (तत्.) कुशकी नोक की तरह तीखा तीव्र, तेज, नुकीला जैसे- कुशाग्र बुद्धि, तीव्रबुद्धिवाला।

कुशावती स्त्री. (तत्.) रामचंद्र जी के पुत्र कुश की राजधानी का नाम।

कुशासन पुं. (तत्.) कुश का बना आसन, बुरा शासन, अव्यवस्थित राज्य।

कुशिक पुं. (तत्.) 1. एक प्राचीन आर्य वंश, विश्वामित्र जी इसी वंश के थे 2. एक राजा जो विश्वामित्र के पितामह और गाधि के पिता थे टि. च्यवन ऋषि को जब ध्यानावस्था में यह विदित हुआ कि कुशिक वंश के द्वारा उनके वंश में क्षत्रिय धर्म का संचार होगा, तब उन्होंने कुशिक वंश को भस्म करने का विचार किया और कुशिक राजा को दोषी ठहराना चाहा, पर उनमें कोई दोष नहीं मिला तो प्रसन्न होकर उन्होंने राजा कुशिक को वरदान दिया कि तुम्हारा पौत्र ब्रह्मत्व को प्राप्त करेगा 3. कुशिक वंश का पुरुष 4. हल की कुर्सी, फाल 5. बहेड़ा 6. साल, साखू 7. तेल की तलछट।

कुशीनार पुं. (तत्.) वह स्थान जहाँ साल वृक्ष के नीचे गौतमबुद्ध का निर्वाण हुआ था, आजकल इसे कसाया कहते हैं, कुशीनगर।